विश्व कपास दिवस 2024

स्रोत: पी.आई.बी.

विश्व कपास दिवस **(7 अक्तूबर 2024)** के अवसर पर **वस्त्र मंत्रालय ने** भारतीय कपास निगम और CITI के साथ संयुक्त रूप से सम्मेलन की मेज़बानी की, जिसका **विषय था "सूती वस्त्र मूल्य शृंखला को आकार देने वाले मेगाट्रेंड्स"**।

उद्देश्य:

- सूती वस्त्र उद्योग को **बढ़ावा देना** तथा अर्थव्यवस्था में इसके योगदान को बढ़ावा देना।
- **कपास मूल्य शृंखला के समक्ष आने वाली चुनौतियों का समाधान करना** और समाधान की तलाश करना।
- **कपास उद्योग में स्थिरता और उसकी क्षमता** के महत्त्व पर प्रकाश डालना।

कपास दिवस की मुख्य विशेषताएँ:

- सरकार का लक्ष्य वर्ष **2030 तक 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर का वस्त्र निर्यात लक्ष्य हासिल करना है।**
- उच्च घनत्व वाली रोपाई, कम अंतराल पर रोपाई और ड्रिप फर्टिगेशन जैसी पद्धतियों को अपनाने से कपास की उपज में वृद्धि हो सकती है।
- कपास किसानों के लिये खरपतवार प्रबंधन एक महत्त्वपूर्ण चुनौती है, जिसका समाधान नई बीज किस्मों के माध्यम से किया जा सकता है।
- इस कार्यक्रम में कस्तूरी कपास उत्पाद, **पुनर्चक्रित वस्त्र और हथकरघा उत्पाद प्रदर्शित किये गए हैं।**

कपास उद्योग से संबंधित कुछ प्रमुख तथ्य:

- **भारत विश्व का सबसे बड़ा कपास उत्पादक** है, **जो विश्व के कपास उत्पादन का** लगभग 23% उत्पादन करता है।
- वर्ष 2023-2024 में भारत संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद **विश्व का दूसरा सबसे बड़ा कपास निर्यातक होगा।**
- भारत के **प्रमुख कपास आयातकों में बाँग्लादेश, चीन और वियतनाम** शामिल हैं।

और पढ़ें: कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (CCI), भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (CITI)।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-cotton-day-2024